आईआईटी-गांधीनगर के नौ विद्यार्थियों ने चुनी उद्यम की राह

नई प्लेसमेंट नीति बनाई, दो साल बाद भी कर सकेंगे शिरकत

अहमदाबाद @ पत्रिका

patrika.com/city

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-गांधीनगर से शनिवार को चौथे दीक्षांत समारोह में स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री पाने वाले 173 विद्यार्थियों में से नौ ने अपना खुद का व्यवसाय और उद्यम शुरू करने की राह चुनी है। इसमें से ज्यादातर नई तकनीक में अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

आईआईटी गांधीनगर ने इस वर्ष अपनी नई प्लेसमेंट नीति भी तैयार की है। इस नीति में भारतीय प्रबंध संस्थान की तर्ज पर संस्थान से स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों को प्लेसमेंट में शामिल होने के लिए दो सालों का होलिडे दिया गया है। यानि वो जिस वर्ष स्नातक होते हैं उसके आगामी दो सालों तक कभी भी वो संस्थान के प्लेसमेंट में शिरकत कर सकते हैं।

सर्वाधिक पैकेज वार्षिक 15 लाख रुपए

इस वर्ष फ्लिपकार्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत फोर्ज, इन्फोसिस सरीखी 59 कंपनियों ने संस्थान के प्लेसमेंट प्रक्रिया में शिरकत की। सर्वाधिक पैकेज वार्षिक 15 लाख रुपए ऑफर किया गया और औसत पैकेज साढ़े सात लाख रुपए रहा। बेहतर बात ये है कि सर्वाधिक पैकेज संस्थान के ही पूर्व विद्यार्थी की कंपनी ग्रीडेन्ट् ने ऑफर की है।

आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रो.सुधीर जैन ने बताया कि इस वर्ष नौ विद्यार्थियों ने खुद का व्यवसाय और उद्यम करने का निर्णय किया है। हम पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों के उद्यमी व व्यवसायी बनने को भी बढ़ावा दे रहे हैं। इसके लिए उन्हें शिक्षा के साथ अन्य ज्ञान प्राप्त करने की छूट दी जा रही है। साथ ही जो विद्यार्थी इस राह को चुनते हैं वो इस वर्ष से स्नातक के आगामी दो वर्षों तक कभी भी संस्थान की प्लेसमेंट प्रक्रिया में शिरकत कर सकेंगे।

उद्यम की राह चुनने वाले संस्थान के बीटेक कोर्स में प्रेसिडेंट, संस्थान मेडल सहित तीन मेडल पाने वाले प्रीत शाह बताता हैं कि वो आगे चलकर उसकी वर्च्युअल रियालिटी एंड इंटरेक्टिव मीडिया क्षेत्र से जुड़े तकनीकी स्टार्टअप कंपनी 4डिआ में अपना भविष्य बनाएगा। इस कंपनी से उसके सहपाठी इप्सित तिवारी, ध्येय शाह, अंकित पन्डोले भी जुड़े हुए हैं।

इसके अलावा राजेश पाटीदार ने स्थाई समाचार व सूचनाओं के लिए मोबाइल एप्लीकेशन कंपनी 'फ्लूटर' बनाई है, जिसमें वो उजास दवे, शिवम त्रिपाठी और पंकज गौतम के साथ मिलकर आगे बढ़ रहा है। आकाश सिंह भी हर्ष गुप्ता, सुशील सिसोडे के साथ मिलकर रोड सेफ्टी की दिशा में काम करने वाली कंपनी क्रेटिफ को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान के इन्क्यूबेशन सेंटर से गुर सीख रहे हैं।